बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

बाढ़ 2025 : प्रेस विज्ञप्ति
(09 अगस्त 2025)

समयः अपराह्न 05:00 बजे

1. **वर्षापात : बिहार मौसम सेवा केन्द्र, पटना** से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में इस वर्ष जून माह में सामान्य वर्षापात से **25 % कम,** जुलाई माह में सामान्य वर्षापात से **33 % कम** एवं अगस्त माह में अबतक सामान्य वर्षापात से **120 % अधिक** वर्षापात दर्ज किया गया है। **01 जून से 09 अगस्त** की अवधि में पूरे राज्य में **498.8 मि0मी0** वर्षापात दर्ज किया गया है जो इस अवधि में सामान्य वर्षापात से **12 % कम** है।

2. **बाढ़ की स्थिति :**

   i. **भोजपुर जिला : गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि** होने के कारण **शाहपुर प्रखण्ड के 13 पंचायतों में** लगभग **33400 आबादी** प्रभावित हुई है। प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा वर्तमान में **06 सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से भोजन की व्यवस्था** की जा रही है। **सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से अबतक लगभग 61500 (थाली की संख्या) लोगों को भोजन** कराया गया है। साथ ही, जरूरतमंद **परिवारों के बीच 2258 पॉलीथीन शीट्स** का भी वितरण किया गया है। आवागमन को सुगम बनाने हेतु **कुल 120 नावों का परिचालन** कराया जा रहा है।

   राहत एवं बचाव कार्य के लिए भोजपुर जिला में **एस०डी०आर०एफ० की 01 टीम** तैनात है।

   ii. **पटना जिला : गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि** होने के कारण **अथमलगोला, मोकामा, बाढ़, दानापुर एवं पटना सदर प्रखण्डों के 14 पंचायतों में लगभग 90500 आबादी प्रभावित हुई है।** प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा **06 सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से भोजन की व्यवस्था** की जा रही है। **सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से अबतक लगभग 17200 (थाली की संख्या) लोगों को भोजन** कराया गया है। साथ ही, **02 बाढ़ राहत शिविर का संचालन** भी किया गया है जहाँ **1130 लोगों के लिए आवासन एवं भोजन** की व्यवस्था की जा रही है। जरूरतमंद **परिवारों के बीच 600 ड्राई राशन**

पैकेट एवं 4239 पॉलीथीन शीट्स का भी वितरण किया गया है। आवागमन को सुगम बनाने हेतु **कुल 98 नावों का परिचालन** कराया जा रहा है।

राहत एवं बचाव कार्य के लिए पटना जिला में **एन०डी०आर०एफ० एवं एस०डी०आर०एफ० की 01–01 टीम** तैनात है।

iii. **वैशाली जिला : गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि** होने के कारण **हाजीपुर, महनार, राघोपुर एवं सहदेई बुजुर्ग प्रखण्डों के 22 पंचायतों में लगभग 154600 आबादी प्रभावित हुई है।** प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा **03 सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से भोजन की व्यवस्था** की जा रही है। **सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से लगभग 4800 (थाली की संख्या) लोगों को भोजन** कराया गया है। जरूरतमंद **परिवारों के बीच 2531 पॉलीथीन शीट्स** का भी वितरण किया गया है। आवागमन को सुगम बनाने हेतु **कुल 153 नावों का परिचालन** कराया जा रहा है।

राहत एवं बचाव कार्य के लिए वैशाली जिला में **एस०डी०आर०एफ० की 01 टीम** तैनात है।

iv. **लखीसराय जिला : गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि** होने के कारण **पिपरिया प्रखण्ड के 01 पंचायत में लगभग 7500 आबादी प्रभावित हुई है।** आवागमन को सुगम बनाने हेतु **कुल 16 नावों का परिचालन** कराया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर सामुदायिक रसोई केन्द्र का संचालन किया जाएगा।

v. **भागलपुर जिला : गंगा एवं कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि** होने के कारण **गोपालपुर, इस्माईलपुर, नारायणपुर, नाथनगर, सबौर एवं सुल्तानगंज प्रखण्डों के 38 पंचायतों में लगभग 101400 आबादी प्रभावित हुई है।** प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा **10 सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से भोजन की व्यवस्था** की जा रही है। **सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से लगभग 11150 (थाली की संख्या) लोगों को भोजन** कराया गया है। आवागमन को सुगम बनाने हेतु **कुल 45 नावों का परिचालन** कराया जा रहा है।

राहत एवं बचाव कार्य के लिए भागलपुर जिला में **एस०डी०आर०एफ० की 01 टीम** तैनात है।

vi. **मुंगेर जिला : गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि** होने के कारण **मुंगेर सदर एवं धरहरा प्रखण्डों के 15 पंचायतों में लगभग 126000 आबादी प्रभावित हुई है।** प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा **09 सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से भोजन की व्यवस्था** की जा रही है। **सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से लगभग 9800 (थाली की संख्या) लोगों को भोजन** कराया गया है। जरूरतमंद **परिवारों के बीच 6000 पॉलीथीन शीट्स** का भी वितरण किया गया है। आवागमन को सुगम बनाने हेतु **कुल 40 नावों का परिचालन** कराया जा रहा है।

राहत एवं बचाव कार्य के लिए मुंगेर जिला में **एस०डी०आर०एफ० की 01 टीम** तैनात है।

3. **नदियों का जलस्तर :–** केन्द्रीय जल आयोग से प्राप्त सूचना के अनुसार **कोसी नदी** बलतारा एवं कुर्सेला में, **बागमती नदी** सोनाखान एवं बेनीबाद में, **बूढ़ी गंडक नदी** खगड़िया में, **गंगा नदी** कहलगांव, भागलपुर, दीघा, गाँधी घाट, हाथीदह, मुंगेर, **पुनपुन नदी** श्रीपालपुर में एवं **घाघरा नदी** दरौली एवं गंगपुर सिसवन में **खतरे के निशान से ऊपर** बह रही है।

4. **गंडक एवं कोसी नदियों का जलस्राव :**

(क) **गंडक नदी (बाल्मीकिनगर बराज) :– दिनांक 09.08.2025 को अपराह्न 04:00 बजे** गंडक बराज पर नदी का जलस्राव **1,39,400** क्यूसेक दर्ज किया गया एवं इसकी प्रवृत्ति **स्थिर** है। दिनांक 04.08.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे इस वर्ष अबतक का अधिकतम जलस्राव **1,47,500** क्यूसेक दर्ज किया गया है।

विगत वर्ष दिनांक 28.09.2024 को गंडक बराज पर नदी का अधिकतम जलस्राव **5,62,500 क्यूसेक दर्ज किया गया था।**

(ख) **कोसी नदी (वीरपुर बराज) :– दिनांक 09.08.2025 को अपराह्न 04:00 बजे** कोसी बराज पर नदी का जलस्राव **1,77,910** क्यूसेक दर्ज किया गया एवं इसकी प्रवृत्ति **बढ़ने** की है। दिनांक 03.08.2025 को अपराह्न 08:00 बजे इस वर्ष अबतक का अधिकतम जलस्राव **1,91,210** क्यूसेक दर्ज किया गया है।

विगत वर्ष दिनांक 29.09.2024 को कोसी बराज पर नदी का अधिकतम जलस्राव **6,61,295 क्यूसेक दर्ज किया गया था।**

5. **एन०डी०आर०एफ० एवं एस०डी०आर०एफ०** :– संभावित बाढ़ के दृष्टिगत त्वरित गति से राहत एवं बचाव कार्य हेतु **एस०डी०आर०एफ० की 22 एवं एन०डी०आर०एफ० की 06 टीमों** को विभिन्न जिलों में प्रतिनियुक्त किया गया है।

6. **वर्षापात का पूर्वानुमान :– बिहार मौसम सेवा केन्द्र के द्वारा अगले 02 दिनों के दौरान राज्य में अनेक स्थानों पर हल्की (15 मि0मी0 तक) से मध्यम (64 मि0मी0 तक) स्तर की वर्षा एवं 11 से 13 अगस्त 2025 के दौरान राज्य के उत्तरी जिलों के भागों में भारी वर्षा (115.5 मि0मी0 तक) होने की संभावना व्यक्त की गई है।**

स्थिति पर सतत् निगरानी रखी जा रही है।